Reg.: JHBIL/25/A0691

College Era

Vol. 01 • June 2025

Back to the books again

A book is a dream you hold in your hand

CAMBRIDGE INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

Angara, Ranchi – 835103, Jharkhand (Run & Managed by Kamla Nehru Vidya Mandir)

Recognised by: ERC-NCTE and Affiliated to Ranchi University Ranchi & JAC

Courses - B.Ed. (2 Years)/ D.El.Ed. (2 Years)

FACILITIES

- Science Lab 1 & 2
- Psychology Lab
- Art & Craft Room
- ICT Lab
- Staff Room
- Administrative Office
- Curriculum Lab
- Music Room
- Health & Physical Education
- Sports Room
- Boys Common Room
- Girls Common Room
- Multipurpose Hall
- Multipurpose Room
- Seminar Room
- Smart Class Rooms
- Parking
- Garden
- Reception
- Playground
- Library & Reading Room

Vill - Baheya, PO- Angara, Distt.- Ranchi, Pin- 835103 (Jharkhand)

Contact for Admission Enquiry

9431680313, 9431707488, 9431581023

Vill - Baheya, PO- Angara, Distt.- Ranchi, Pin- 835103 (Jharkhand)

Chief Editor Choise

एक नई सोच, एक नई दिशा–युवाओं की आवाज

'प्रिय पाठकों,'
आपके हाथ में जो पुस्तक है वो एक ऐसा दर्पण, जो न केवल कॉलेज के शैक्षणिक सफर को प्रस्तुत करेगा, बल्कि हर छात्र की मेहनत, सपनों और उपलब्धियों की कहानी भी बताने का प्रयास करेगा। **College Era** सिर्फ एक मैगजीन नहीं, एक ऐसा मंच होगा – जहाँ विचार जन्म लेगे, नई प्रतिभाओ को अवसर और उनके भविष्य की तैयारी में उनके साथ खडे होगे।

इस अंक में आपको मिलेंगे:
विश्वविद्यालय के कुलपतियों के विचार
प्रोफेसरों के विचार और मार्गदर्शन
प्रेरणादायक विद्यार्थियों के सफलता की झलक
प्रतियोगिताओं, सेमिनारों और इवेंट्स की रिपोर्ट
आपके कॉलेज की खबरें
करियर और वेकैंसी जॉब की खबरें

'हमारा उद्देश्य है: शिक्षा के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना, छात्रों को प्रोत्साहित करना ताकि वे खुद को पहचानें, अपने हुनर को निखारें और दुनिया में बदलाव लाएं।

आइए, **College Era** के साथ जुड़ें – क्योंकि आज के विद्यार्थी ही 'कल के नायक हैं!'

Reg.: JHBIL/25/A0691

College Era

Back to the books again

Contents

Editor's Choice 04
एक विचार, जो अब एक युग बन गया
N.K. Murilidhar Choice 05
विश्वविद्यालयों में बदलाव की अर्थपूर्ण पहल
'कुलपति' से 'कुलगुरु'
Congratulations message
Cambridge Institute of Technology, Ranchi 06
06
ICFAI University Jharkhand 07
Ranchi University, Ranchi 07
Gossner College, Club Road, Ranchi 08
SS Memorial College, Kanke Road, Ranchi 08
St. Xavir's College, Purulia Road, Ranchi 10
Doranda College, Doranda, Ranchi 10
झलकियां 11 - 14
COLLEGE Campus Interview 14
अवसर 15 - 17
Bureau Chief's Choice 18
किताबें झांकती है बंद अलमारी के शीशे से,
अब महीनों मुलाकाते नहीं होती
Dr. P. Chatterjee Choice 19-20
Utility of Yoga in Ancient and Modern Era
Ajay Deep Wadhwa Sir's Choice 22
Choice between "Get up" and "Give up"

Team Editorial

Editor : Dr. Shital Kumari
Patron : Mrityunjay Singh

Head Office : 2104/C2, Misir Gonda, Near Shiv Mandir, Pipra Kanke Road, Misir Gonda, Alias, Pahargonda, Ranchi, Jharkhand- 834008

Visit Office

City Office : 2nd flore Khandi Gram Udyog bhawan, Elbert Eka Chowk, Main Road Ranchi, Jharkhand- 834001

Contact : 9835163660, 8340318751

Email : collegeera13@gmail.com

एक विचार, जो अब एक युग बन गया

आज से 25 साल पहले शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐसा प्रयास किया गया था जिससे विभिन्न विद्यालयों के बीच प्रतियोगिता ना होकर एक माला में पिरोया जा सके और वह माला बना स्कूल एरा मैगजीन जिस ने सभी विद्यालयों को क्या सरकारी और क्या प्राइवेट सभी को एक मंच पर लेकर आया हालांकि यह एक मुश्किल सोच थी। फिर भी सभी विद्यालयों के बीच सहसंबंध स्थापित करने का संकल्प लेकर मैं स्कूल एरा मैगजीन को अस्तित्व में लेकर आया दिल में यह इच्छा लिए की चाहे छोटा स्कूल हो या बड़ा स्कूल सभी स्कूलों को एक सूत्र में बंधेंगे होनहार विद्यार्थियों को एक अवसर प्रदान करेंगे, और जैसा सोचा था वैसा करके भी दिखाया वर्तमान समय में स्कूल एरा मैगजीन अपनी विचारों के सफलता की रजत जयंती वर्ष मना रहा है। स्कूल एरा की यह सफलता आप सभी शिक्षाविदों का साथ शिक्षकों, छात्रों, अभिभावकों सभी के प्यार ने हमेशा हमें प्रेरणा दी है की हम इस क्षेत्र में आगे भी प्रयास करें और बेहतर और बेहतर और बेहतर करने का प्रयास। इस अवसर पर अभिभावकों और शिक्षाविदों की विशेष मांगों को आदर देते हुए स्कूल एरा स्कूल तक सीमित ना रहे बल्कि कॉलेज में भी हमारा उनका साथ बना रहे। स्कूल के बाद जब वे कालेज मे कदम रखे तो उन्हें संस्थान भले ही नया लगे मगर उनका गाइड उनका दोस्त उनके हौसलाअफजाई के लिए हमेशा साथ होगा।अब कॉलेज में भी छात्र छात्राओ के टैलेंट को प्रदर्शन करने का एक मंच प्रदान करने का संकल्प लेकर 'कॉलेज एरा' मैगजीन कॉलेज के विद्यार्थियों को एवं विश्वविद्यालय को समर्पित करता हूं अर्थात स्कूल एरा स्कूल के साथ भी और स्कूल के बाद भी। आशा करता हूं कि कॉलेज एरा एक दिन उस मुकाम पर पहुंचेगी जहां पर ये आप सबको संयुक्त रूप से एक मंच प्रदान करेगी।

अभी तो असली उड़ान बाकी है,
परिंदे का इम्तिहान बाकी है,
अभी तो लांघा है समुद्र,
अभी तो पूरा आसमान बाकी है।

विश्वविद्यालयों में बदलाव की अर्थपूर्ण पहल 'कुलपति' से 'कुलगुरु'

जेएनयू द्वारा 'कुलपति' के स्थान पर 'कुलगुरु' पदनाम अपनाना केवल भाषाई परिवर्तन नहीं, बल्कि भारतीय शिक्षा प्रणाली में गुरु–शिष्य परंपरा, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

एन.के. मुरलीधर

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति द्वारा अपने पदनाम को 'कुलपति' से बदलकर 'कुलगुरु' करने का निर्णय शिक्षा जगत में एक विचारणीय पहल है। यह सिर्फ एक शब्द का बदलाव नहीं, बल्कि इसके पीछे भारतीय ज्ञान परंपरा, शैक्षणिक मूल्यों और गुरु–शिष्य परंपरा को पुनः स्थापित करने की सोच निहित है। इस कदम पर व्यापक चिंतन की आवश्यकता है। 'कुलपति' शब्द 'कुल' (परिवार या समुदाय) और 'पति' (स्वामी या मुखिया) से मिलकर बना है। यह प्रशासनिक अधिकार और स्वामित्व का बोध कराता है। इसमें सम्मान और अधिकार का भाव तो है, लेकिन शिक्षा और मार्गदर्शन का उतना नहीं। 'कुलगुरु' शब्द का मूल संस्कृत में है, और यह 'कुल' (परिवार/समूह) और 'गुरु' (शिक्षक/मार्गदर्शक) से मिलकर बना है। यह शब्द न केवल प्रशासनिक प्रमुखता को दर्शाता है, बल्कि इससे कहीं अधिक, यह ज्ञान, मार्गदर्शन, नैतिक नेतृत्व और छात्रों के प्रति पितृतुल्य स्नेह की भावना को भी समाहित करता है। 'कुलगुरु' वह होता है जो अपने कुल के सदस्यों को ज्ञान के मार्ग पर ले जाता है, उनके आध्यात्मिक और बौद्धिक विकास में सहायता करता है। एक विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां बांटने वाली संस्था नहीं, बल्कि ज्ञान का मंदिर और छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र होता है, और शिष्य –परंपरा के प्रति गहन प्रतिबद्धता को भी समाहित करता है।

स्पष्ट है कि 'गुरु' शब्द में जो सम्मान, त्याग, ज्ञान और परोपकार का भाव निहित है, वह 'पति' शब्द में नहीं। एक विश्वविद्यालय का प्रमुख केवल उसका प्रशासक नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका 'गुरु' होना चाहिए, जो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को ज्ञान, नैतिकता और समग्र विकास के मार्ग पर प्रेरित करे।

निःसंदेह, विश्वविद्यालयों के प्रमुखों के लिए 'कुलगुरु' की उपाधि 'कुलपति' से कहीं अधिक उपयुक्त और श्रेष्ठ है। यह एक प्रतीकात्मक बदलाव हो सकता है, लेकिन इसका गहरा मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव पड़ेगा। यह विश्व–विद्यालय के प्रमुख को केवल एक प्रबंधक नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक संरक्षक और एक ज्ञानी व्यक्ति के रूप में स्थापित करेगा जो अपने 'कुल' के सभी सदस्यों के प्रति जिम्मेदार है। हां, यह बदलाव रातों–रात नहीं होगा और इसके लिए गहन विचार–विमर्श और सर्वसम्मति की आवश्यकता होगी।
देश के विश्वविद्यालय को इस बदलाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह केवल एक भाषाई बदलाव नहीं, बल्कि एक वैचारिक बदलाव है जो भारतीय शिक्षा प्रणाली को उसकी मूल भावना से जोड़ सकता है। अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा 'कुलपति' के स्थान पर 'कुलगुरु' की उपाधि अपनाना एक सकारात्मक और दूरगामी कदम होगा। यह बदलाव विश्वविद्यालय के प्रमुख की भूमिका को केवल प्रशासनिक मुखिया से ऊपर उठाकर एक नैतिक और शैक्षणिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित करेगा, जिससे भारतीय गुरु–शिष्य परंपरा का पुनरुद्धार होगा। यह हमारी संस्कृति और मूल्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक भी बनेगा।

हालांकि, यह भी समझना आवश्यक है कि केवल पदनाम बदलने से रातों–रात बदलाव नहीं आ जाएगा। 'कुलगुरु' की उपाधि को सार्थक बनाने के लिए कुलपति को वास्तव में गुरु की भूमिका निभानी होगी– छात्रों के साथ संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं को समझना, उन्हें अकादमिक और व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन करना, और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहना। यह बदलाव एक प्रतीकात्मक शुरुआत है, जिसका वास्तविक प्रभाव तब दिखेगा जब यह भावना विश्वविद्यालय के संपूर्ण कार्यप्रणाली में प्रतिबिंबित होगी।

भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। गुरु केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि वह छात्रों को जीवन के मूल्यों, नैतिकता और सही–गलत का ज्ञान भी देता है। 'कुलगुरु' के रूप में, कुलपति की भूमिका केवल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह छात्रों और शिक्षकों के लिए एक प्रेरणास्रोत, एक संरक्षक और एक ज्ञानी मार्गदर्शक भी बन जाता है। यह बदलाव एक ऐसे माहौल को बढ़ावा दे सकता है जहां छात्र अपने 'कुलगुरु' के प्रति अधिक सम्मान और विश्वास महसूस करें, जिससे एक स्वस्थ और सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण होगा।

निःसंदेह, 'कुलगुरु' का पदनाम हमें याद दिलाएगा कि विश्वविद्यालय का मुखिया केवल एक प्रशासक नहीं, बल्कि एक ऐसा व्यक्ति है जो ज्ञान के प्रकाश से छात्रों के जीवन को रोशन करता है। यह एक ऐसा परिवर्तन है जो न केवल भारतीय शिक्षा प्रणाली को मजबूत करेगा, बल्कि उसे उसकी गौरवशाली परंपरा से भी जोड़ेगा। जेएनयू ने एक सराहनीय शुरुआत की है, और अब अन्य विश्वविद्यालयों की बारी है कि वे इस महत्वपूर्ण विचार को अपनाकर शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत करें।

Cambridge Institute of Technology, Tatisilwai, Ranchi

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष हो रहा है कि स्कूल एरा निकालते निकालते अब कॉलेज एरा का भी प्रकाशन होने जा रहा है कॉलेज एरा का प्रथम संस्करण यह दर्शाता है कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है एक पत्रिका विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता रचनात्मक और सामाजिक समझ की ओर अग्रसर करती है यह पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल लेखन में रुचि दिखाएंगे बल्कि संपादन डिजाइन समय प्रबंधन और टीमवर्क जैसी महत्वपूर्ण क्षमताओं का भी विकास करेंगे मुझे हमारे विद्यार्थी सकारात्मक और रचनात्मक प्रयासों में आगे बढ़ रहे हैं मैं कॉलेज एरा की सफलता की कामना करता हूं।

Navnit Singh

प्रो. तपन कुमार शंडिल्य
कुलपति
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
विश्वविद्यालय, रांची

Shyam Prasad Mukherji College, Ranchi

मैं "College Era" पत्रिका के शुभारंभ पर सम्पूर्ण संपादकीय टीम को हार्दिक शुभकामनाएं देता हुं। की "School Era" की 25 वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा ने शिक्षा जगत में जो क्रांति लाई है, वह वास्तव में सराहनीय है। अब "College Era" के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों, छात्रों, शिक्षकों और नवाचारों, को मंच प्रदान करना एक अत्यंत प्रशंसनीय प्रयास है।
मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह नई पत्रिका शिक्षा जगत में नई सोच, रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।
आपके इस नए प्रयास के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हुं। ईश्वर करें यह पत्रिका उंचाइयों को छुए और शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करें।

ICFAI University Jharkhand

As I sit to deliberate and draft a message for a monthly magazine to be named '**College Era** – Age of Education', or something similar, which is in offing to publish its first edition very soon, I reminisce my life-journey of 65 years, and that of my tirelessly relentless and incessant journey of over 44 years in learning and teaching, I am overwhelmed by the impact of the magazines that shadowed me through thick and thins, grief and joy, through camaraderie and solitude like the godly providence. When I was a child I had the child-like magazines Chanda Mama, Balak, Champak, and others; when I was a man and my counterpart a woman, we had Men's World, Vama, Women's Era, Femina

Col (Dr.) Ranjit Singh
VC, ICFAI University Jharkhand

Ranchi University, Ranchi

"Warmest congratulations to the entire team of School Era Magazine on celebrating 25 years of excellence in education! Your commitment to providing high-quality content has made a lasting impact on students, educators, and the community.

The launch of College Era is a significant milestone, marking a new chapter in your journey. This magazine will undoubtedly provide college students with valuable insights, knowledge, and inspiration to excel in their academic pursuits.

Here's to many more years of success, growth, and innovation! May College Era soar to new heights, and may School Era continue to inspire and educate future generations."

Ajit Kumar Sinha,
Vice Chancellor, Ranchi University.

Ajit Kumar Sinha
Vice Chancellor, Ranchi University.

Prof. Elani Purty
Prof. Incharge,
Gossenur College, Ranchi.

Gossner College, Club Road, Ranchi

"Heartfelt appreciation to the School Era Magazine team for 25 remarkable years of dedication to education. The launch of College Era is a welcome addition, providing a valuable resource for our students. Congratulations on this milestone and new venture! Your commitment to empowering young minds is truly commendable."

Prof. Elani Purty,
Prof. Incharge,
Gossenur College, Ranchi.

Dr. B P Verma
(Principal)
SS Memorial College, Ranchi

SS Memorial College, Kanke Road, Ranchi

College Era का प्रकाशन हमारे लिए एक गौरवशाली क्षण है। यह पत्रिका न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को उजागर करेगी , बल्कि यह समाज, संस्कृति, तकनीक और शिक्षा के विविध पक्षों पर विचार करने का अवसर भी देगी ।

यह पहल विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण, रचनात्मकता और संवाद स्थापित करने की दिशा में प्रेरित करेगी।

मैं इस पहल के लिए पूरी संपादकीय टीम को हार्दिक बधाई देता हूँ और आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इतनी मेहनत और समर्पण से इस पत्रिका को आकार देने के लिए कृत संकल्पित है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम बनेगी।

CAMBRIDGE INSTITUTE OF TECHNOLOGY

Estd. 2001

Tatisilwai, Ranchi – 835103, Jharkhand
Approved by AICTE, New Delhi,
Affiliated to Jharkhand University of Technology,
Govt. of Jharkhand

Our Vision- "Quality Education"

Our honourable President her excellency
Smt. Droupadi Murmu
(then Governor, Govt. of Jharkhand)
with our Chairperson ***Smt. Janki Devi***

Our Teaching Staff

22 Years of Academic Excellence

500+ Campus Placement Drives

22+ Years of Academic Excellence

300+ Top Notch Companies Visited

16LPA Highest Package

SALIENT FEATURES

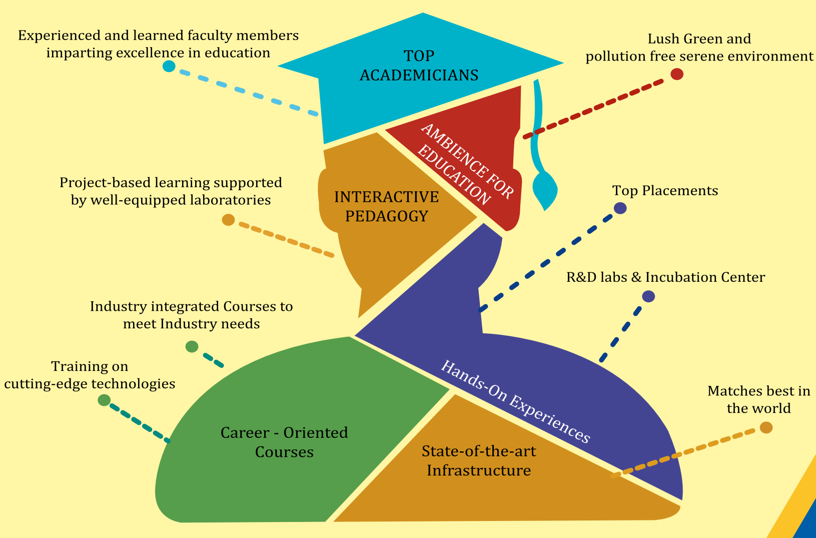

Contact for Admission Enquiry

9931444441,9279439460, 7677755572

adm@citranchi.ac.in

secretarycambridge@gmail.com

www.citranchi.ac.in

Scan QR Code : Website | Instagram | Facebook

2535_08_2022_Kailash Paper, Ranchi • 1800 889 4101

Ft. Robert Pradeep Kuzoor
(Principal)
St. Xavier's College, Ranchi

St. Xavir's College, Purulia Road, Ranchi

"Heartfelt congratulations to the entire team of School Era Magazine on completing 25 incredible years of inspiring and educating students! This milestone is a testament to your dedication, passion, and commitment to excellence in providing quality content that resonates with young minds. As you celebrate this remarkable achievement, I'm thrilled to hear about the launch of College Era, a new magazine that will undoubtedly cater to the needs and interests of college students. This expansion is a bold step forward, and I'm confident that it will bring fresh opportunities, growth, and success to your organization. Your team's perseverance, creativity, and innovative spirit have been instrumental in making School Era Magazine a trusted name in the education sector. I have no doubt that College Era will follow suit, providing college students with valuable insights, knowledge, and inspiration to excel in their academic pursuits. Wishing you continued success, growth, and happiness as you embark on this new journey. Congratulations once again on this remarkable achievement, and I look forward to seeing the impact that College Era will make!"

Father Robert Pradeep Kuzoor,
St. Xavier's College, Ranchi

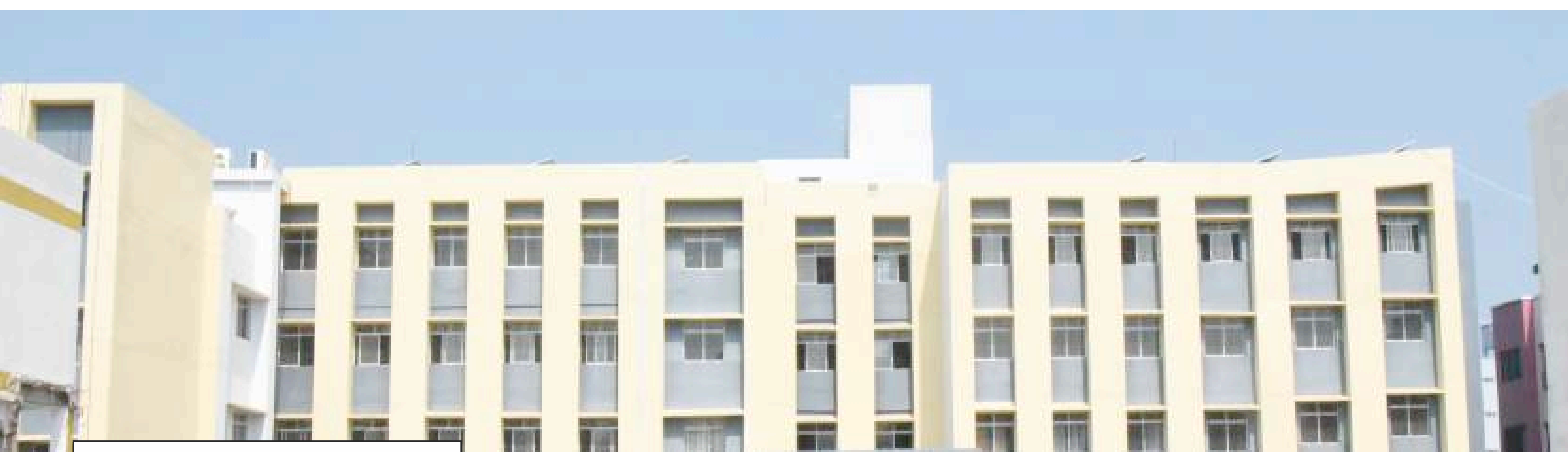

Rajkumar Sharma
(Principal)
Doranda College Ranchi

Doranda College, Doranda, Ranchi

"We applaud the launch of College Era magazine, a timely and valuable addition to the educational landscape. This magazine will surely resonate with college students, providing them with insights, perspectives, and motivation. Congratulations to the team on this remarkable achievement!"

पढ़ाई में बड़ा परिवर्तन होने वाला है– रांची यूनिवर्सिटी

रांची यूनिवर्सिटी (आरयू) मे कानून की पढ़ाई में बड़ा परिवर्तन होने वाला है। 3 वर्षीय एलएलबी कोर्स शैक्षणिक सत्र 2025 से 26 में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू होगा। अब स्टूडेंट को अंक की जगह क्यूमुलेटिव में ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) दिए जाएंगे। अभी अंकों के आधार पर फर्स्ट सेकंड और थर्ड डिवीजन में ही नतीजा घोषित होते हैं डीन डॉ. पंकज कुमार चतुर्वेदी ने सिलेबस का ड्राफ्ट तैयार भी कर लिया है। वीसी डॉ. अजीत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में 16 जून को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसे मंजूरी मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके सिलेबस में एआई, इनसोल्वेशी, साइबर लॉ , बैंकर्सस्पी भी शामिल किया जाएगा। इसी प्रकार पॉच वर्षीय इंटीग्रेटेड एलएलबी कोर्स में अब छः इंटर्नशिप करना अत्यंत अनिवार्य होगाव सेमेस्टर 4 सेमेस्टर 10 के बीच स्टूडेंट को यह इंटर्नशिप पूरी करनी ही होगीव इनमें पांच इंटर्नशिप कानून से संबंधित होगा जबकि एक प्रबंधन से जुडा भी होगा।

रांची यूनिवर्सिटी को झारखंड इंस्टिट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन कोर्स का प्रस्ताव

रांची यूनिवर्सिटी को झारखंड इंस्टिट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन द्वारा 4 वर्षीय टेक्सटाइल कोर्स की पढ़ाई प्रारंभ करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके अलावा क्राफ्ट कल्चर कम्युनिकेशन एंड परफॉर्मिंग, आर्ट क्राफ्ट और मैनेजमेंट जैसे कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। इसका सिलेबस और संचालन रेगुलेशन भी तैयार कर लिया गया है। भारतीय ज्ञान परंपरा की पढ़ाई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पहले से ही स्नातक स्तर पर हो रही है ।भारतीय ज्ञान परंपरा को भी इसी सत्र से सिलेबस में शामिल किया जाएगा। इसका सिलेबस भी विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है जिसमें एकेडमिक काउंसिल द्वारा संस्कृत स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। भारतीय ज्ञान परंपरा की पढ़ाई 9 क्रेडिट में होगी।

जनजाति एवं क्षेत्रीय भाषा का स्ट्रीम बदलेगा

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग टीआरएल स्ट्रीम भी बदलेगा। इसके तहत टीआरएल ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में आएगा। 5 साल से टीआरएल का स्वतंत्र स्टीम है चूंकी दूसरे राज्य में टीआरएल नाम से अलग स्ट्रीम नहीं है इसलिए यहां से पास होने वालों को दूसरे राज्यों में परेशानी आती है। इसी सत्र से होगी रिमोट सेंसिंग कोर्स की पढ़ाई इसी सत्र से प्रारंभ रांची यूनिवर्सिटी के भूगोल विभाग में एक वर्ष का पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा इन रिमोंट सेंसिंग कोर्स की पढ़ाई प्रारंभ हो रही है इसके लिए सिलेबस और संचालन रेगुलेशन विभाग ने तैयार भी कर लिया है यह जॉब ओरिएंटेड कोर्स है जिसका संचालन वोकेशन कोर्स के तहत किया जाएगा।

आधुनिक शिक्षा में एआई की भूमिका

आज का युग कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence & AI) का है। हर क्षेत्र में एआई ने अपनी छाप छोड़ी है, चाहे वह स्वास्थ्य सेवा हो, वित्त हो या शिक्षा। कॉलेज के छात्रों के लिए एआई एक शक्तिशाली उपकरण बन चुका है, जो न केवल पढ़ाई को आसान बनाता है, बल्कि नए करियर विकल्प भी प्रस्तुत करता है और सोचने के नए तरीके सिखाता है।

चौट जीपीटी – आपका डिजिटल साथी OpenAI द्वारा विकसित किया गया चौटजीपीटी एक एआई चौटबॉट है, जो बिल्कुल इंसानों की तरह प्राकृतिक भाषा में संवाद करता है। यह केवल सवालों के जवाब देने वाला एक साधारण टूल नहीं, बल्कि एक डिजिटल दोस्त के समान है, जो:

- असाइनमेंट्स में मदद करता है
- कोडिंग और लेखन से जुड़े संदेहों को दूर करता है
- करियर गाइडेंस और इंटरव्यू प्रैक्टिस में सहायता करता है
- सामान्य ज्ञान और समसामयिक घटनाओं को समझने में सहयोग करता है

एआई से नई संभावनाएं : एआई की मदद से छात्र अब शोध (तमेमंतबी) को और गहराई से समझ सकते हैं। डिजाइन, डेटा एनालिसिस और मशीन लर्निंग जैसे विषय अब पहले से ज्यादा सुलभ हो गए हैं। एआई रचनात्मकता को भी एक नई दिशा दे रहा है, छात्र कविताएं, कहानियाँ और यहाँ तक कि संगीत भी एआई के माध्यम से तैयार कर रहे हैं।

जिम्मेदारी से उपयोग आवश्यक है : जहाँ एआई जैसे टूल्स का उपयोग कई सुविधाएं प्रदान करता है, वहीं यह जरूरी है कि हम इसका जिम्मेदारीपूर्वक प्रयोग करें। नकल या चोरी के बजाय, हमें एआई का उपयोग अपनी सीखने की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने के लिए करना चाहिए। नैतिकता और जिम्मेदारी का ध्यान रखते हुए हम एआई को शिक्षा का एक सकारात्मक हिस्सा बना सकते हैं। दैनिक जीवन में एआई की भूमिका

- भविष्य के करियर और एआई
- कॉलेज प्रोजेक्ट्स में एआई का उपयोग, जारी।

1 जुलाई से आयोजित होगी मदरसे की परीक्षा

झारखंड एकेडमिक काउंसिल जैक द्वारा (मदरसा वस्तानिया से मौलवी तक) का शेड्यूल जारी कर दिया गया है परीक्षा 1 से 8 जुलाई तक दो सेटिंग में आयोजित की जाएगी। फर्स्ट सिटिंग की परीक्षा 9:45 a-m से 1:00pm तक और सेकंड सिटिंग की परीक्षा दिन में 2 pm से 5 pm तक आयोजित की जाएगी।

डीएसपीएमयू में चांसलर पोर्टल से एडमिशन

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में रांची के स्कूल आफ जर्नलिज्म एंड मास कम्यूनिकेशन डिपार्टमेंट के बैचलर डिग्री इन मैस कम्युनिकेशन कोर्स में चांसलर पोर्टल से एडमिशन के लिए फार्म जमा हो रहा है राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार 4 वर्षीय कोर्स की पढ़ाई होती है प्रिंट मीडिया रेडियो टेलीविजन और फिल्म निर्माण से जुड़ी हुई तकनीकी और सृजनात्मक दक्षताओं को का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है डायरेक्टर डॉ राजेश कुमार सिंह अर्हता रखने वाले स्टूडेंट 23 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। यह कोर्स रोजगार की असीम संभावना लिए हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद विवि रांची में शैक्षणिक सत्र 2025 की शुरुआत

स्वामी विवेकानंद सभागार में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची में शैक्षणिक सत्र 2025 की शुरुआत किया गया। शैक्षणिक सत्र 2025 से 2027 में देश के विभिन्न राज्यों से 400 से अधिक विद्यार्थियों ने एमबीए–बीए एचआर और पीएचडी प्रोग्राम के लिए नामांकन की प्रक्रिया को पूरी किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. दीपक कुमार श्रीवास्तव और दि एकेडमी प्रो.तनु श्री दत्ता ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मेजर जनरल परम सिंह डागर, वी एसएमआदि उपस्थित है।

दि इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया

दि इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की रांची शाखा के स्टूडेंट एसोसिएशन ने दो दिवसीय वार्षिक आउटडोर स्पोर्ट्स मीट रणभूमि 2025 का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने विभिन्न प्रकार के खेलों में बढ़– चढ़कर अपना प्रदर्शन किया। अपनी प्रतिभा दिखाते हुए 100 मीटर दौड़ में पुरुष वर्ग के तक्ष माहेश्वरी विजेता हुए जबकि महिलाओ के 100 मीटर की दौड़ ईशा पंचेरीवाल ,मंकी क्रालिंग अक्षत और फैजान लंबी कूद में 400 मीटर और 200 मीटर और रिले दौड़ में।

किशोरियों के लिए आर टी सी इंटर कॉलेज में ग्रीन स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम

आर टी सी इंटर कॉलेज में 14 से 18 वर्ष के किशोरियों को हुनरमंद बनाने के लिए उन्हें ग्रीन स्किल से जोड़ने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रम का को प्रारंभ किया गया। यह कार्यक्रम जमीन जिसका उद्धाटन विवेकानंद सभागार में मुख्य अतिथि के तौर पर रांची के पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने किया। उन्होंने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर काम कर किशोरियों ने न केवल रोजगार प्राप्त कर सकती है बल्कि देश की आर्थिक प्रगति में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस शुभ अवसर पर प्रो. योगेंद्र ठाकुर , एसपीओ प्रो. का गफ्फॉर अंसारी प्रो. इकबाल प्रो. इमरान अंसारी प्रो. प्रेमनाथ मुंडा, धनी लाल महतो, रीता मुक्ता, मेजर रंजीत कुमार सिंह आदि अनेक छात्र छात्र उपस्थित थे।

बैंकॉक (AIT), एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड और सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची झारखण्ड के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी , थाईलैंड और सरला बिरला विश्वविद्यालय (SBU), रांची के बीच एकेडमिक समझौता (MoU) किया गया है। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन के नेतृत्व में 17 जून, 2025 को एआइटी, बैंकॉक के कॉन्फ्रेंस हॉल में इस समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता, नये रिसर्च और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में काम किया जायेगा। समझौते पर एआईटी के उपाध्यक्ष एकेडमिक एंड रिसर्च प्रो मनुकित पर्निचकुन व एसबीयू के कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने हस्ताक्षर किया। मौके पर एआईटी के कार्यकारी निदेशक प्रो नितिन के. त्रिपाठी, अंतरराष्ट्रीय मामलों की विभाग की निदेशक डॉ सुमना श्रेष्ठ तथा एआईटी थाईलैंड से अन्य डीन भी उपस्थित थे। एसबीयू की ओर से डीन डॉ. संदीप कुमार, डीन अजय कुमार, डॉ. बी. समंता, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ रिया मुखर्जी, डॉ. मीता वर्मा, स्वेता कुमारी, डॉ. उत्सव विशाल, डॉ. सागर साड़ंगी और डॉ. अभिषेक कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह एमओयू छात्रों एवं शिक्षकों के अकादमिक आदान–प्रदान, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, उद्यमिता विकास एवं क्षमता निर्माण जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा। प्रो. सी. जगनाथन ने उम्मीद जताई कि इस भागीदारी से दोनों विश्वविद्यालयों को निकट भविष्य में परस्पर विकास के अलावा शोधपरक जानकारियां एवं नवीनतम उपलब्धियां हासिल हो सकेंगी। समझौते पर एआईटी के प्रेसिडेंट प्रो पै– ची ली और एसबीयू की माननीया कुलाधिपति श्रीमती जयश्री मोहता, माननीय प्रतिकुलाधिपति बी. के. दलान, माननीय बोओजी मेंबर अनंत जाटिया, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने हर्ष व्यक्त किया है।

रांची विश्वविद्यालय में यूजी का फॉर्म जमा करने की तिथि को 29 जून तक बढ़ाया गया

रांची विश्वविद्यालय में यूजी का फॉर्म जमा करने की तिथि को 29 जून तक बढ़ाया गया है। रांची यूनिवर्सिटी में स्नातक सेशन 2025 से 29 में एडमिशन के लिए एकबार फिर सेतिथि को बढ़ा दी गई है। अब 29 जून से एडमिशन फॉर्म चांसलर पोर्टल के माध्यम से जमा कर सकते हैं ।सिलेक्शन लिस्ट संबंधित कॉलेज में 3 जुलाई को जारी की जाएगी और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन एवं एडमिशन 4 से 12 जुलाई तक होगा।

जॉइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) के राउंड–1 की ऑनलाइन रिपोर्टिंग 22 जून तक

आईआईटी आईएमएम सहित देश भर के आईआईटी संस्थानों में बीटेक प्रोग्राम में नामांकन की प्रक्रिया जॉइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) के माध्यम से जारी है जी एडवांस्ड 2025 के राउंड वन में सीट आवंटन प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की ऑनलाइन रिपोर्टिंग की अंतिम तिथि को बढ़ा दी गई है। अब सभी संबंधित विद्यार्थी 22 जून की शाम को 5रू00 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर सकेंगे इसके तहत विद्यार्थी अपनी पसंद फ्री फ्लोट्स लाइट दर्ज कर सकते हैं सभी जरूरी दस्तावेजों को भी अपलोड करना आवश्यक होगा।

72.19% एक्स आईएसएस के स्टूडेंटो को मिला प्लेसमेंट हाईएस्ट पैकेज गया 21.33 लाख रुपए

एक्आईएसएस रांची में इस साल (2023 से 25) के बैच के छात्रों को 72. 19प्रतिशत छात्रों ने प्लेसमेंट को हासिल कर लिया। साल के हाईएस्ट पैकेज 21.33 लाख रुपया रहा और एवरेज पैकेज 8.56 लाख रुपए रहा। इस साल 12 छात्रों को भी प्री– प्लेसमेंट ऑफर भी मिले।पिछले साल (23–24) में हाईएस्ट स्केल ₹21 लाख एवरेज पैकेज 9.36 सलाना प्राप्त हुआ था। 28 छात्रों को भी प्री –प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए थे।जिसमें से 27 छात्रों ने ऑफर को एक्सेप्ट कर लिया था। कुल 213 स्टूडेंट्स प्लेसड हुए थे। पिछले साल की तुलना में इस साल वृद्धि दर्ज करते हुए 38% छात्रों ने 10 लाख रुपया से अधिक का पैकेज प्राप्त कर लिया। इस साल मार्केटिंग मैनेजमेंट में अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए छात्रों ने 19.50 लाख का सालाना पैकेज प्राप्त किया है। कैंपस प्लेसमेंट में इस साल बैंकिंग, इंश्योरेंस मैन्युफैक्चरिंग ,आईटी फाइनेंशियल, डेवलपमेंट सर्विस डेयरी, ई–कॉमर्स सेक्टर की कई प्रमुख कंपनियां शामिल हुई थी। संस्थान के निदेशक डॉ.जोसफ मारिया कजुर ने बताया कि एक्सआईएसएस में इंडस्ट्री की बदलती जरूरतो के अनुरूप स्टूडेंटस को प्रशिक्षित किया जाता रहा है ताकि वो अपने आप को डेवलप करते रहे।

तीन दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन – संत जेवियर्स कॉलेज रांची

संत जेवियर्स कॉलेज रांची में आईक्यूएसी और कंप्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त में कॉलेज के शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए तीन दिवसीय कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। कॉलेज के प्राचार्य फादर रॉबर्ट प्रदीप कुजूर, एसजे ने समापन कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में प्रोफेशनल बनने के दक्ष होना अत्यावश्यक हैद्य कॉलेज को अव्वल स्थान पर ले जाने के अकादमिक के हर क्षेत्र में निपुण होना होगा।

कार्यक्रम समन्वयक डॉ कमलदीप ने बताया कि तीन दिनों तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कॉलेज कर्मियों को कई सत्रों में प्रशिक्षण दिए गए जिसमें बेसिक ऑफ कंप्यूटर, ऑपरेटिंग सिस्टम एवं नेटवर्क सिक्योरिटी, एम एस वर्ड ,ईमेल एवं ऑनलाइन सर्विस तथा एमएस वर्ड, पॉवरपॉइंट, एक्सल सम्बन्धी आदि की जानकारी दी गई और अंतिम दिन उन्हें प्रैक्टिकल कराकर उन्हें कम्प्यूटर में निपुण बनाया गया ताकि भविष्य में अकादमिक बदलाव के अनुसार कार्य कर सकें।ढकार्यक्रम में कॉलेज के प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के बीच सर्टिफिकेट दिया गया। मौके पर उप–प्राचार्य डॉ फादर अजय अरुण मिंज, एसजे , रजिस्ट्रार डॉ. फादर प्रभात केनेडी सोरेंग, एसजे, कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ स्वरत चौधुरी, कार्यक्रम समन्वयक डॉ कमलदीप, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ शिव कुमार,डीएसडबल्यू डॉ संजय सिन्हा, प्रो. सुर्यनारायण प्रसाद, डॉ सुप्रिया गुप्ता, डॉ राकेश राजा, प्रो. रितेश कुमार, प्रो. गुरप्रीत सिंह आदि उपस्थित थे।

MoU in IIM Ranchi & CPWD

- IIM Ranchi Embarks on Transformative Growth,

Prioritizing Experiential Learning: Prof. Deepak Kumar Srivastava

- IIM Ranchi and CPWD Sign MoU to Propel Second Phase of Development

IIM Ranchi and the Central Public Works Department (CPWD) formalized a Memorandum of Understanding (MoU) on Tuesday, May 06, 2025, marking a significant milestone in IIM Ranchi's expansion. The ceremony was attended by key stakeholders, including CPWD Chief Engineer Mr. M.P. Singh, Executive Engineer (Electrical) Mr. Roshan Kumar, Executive Engineer (Civil) Mr. B.P. Chaurasia, Architect Dr. Debarati Chakraborty, along with IIM Ranchi Director Prof. Deepak Kumar Srivastava, CAO In-charge & Faculty In-charge Administration Prof. Anand, Faculty In-charge Campus Development Prof. Nitin Singh, and other distinguished dignitaries.

This MoU delineates CPWD's responsibility for the ongoing maintenance of IIM Ranchi's existing Phase-1 campus infrastructure and, crucially, the execution of the phase-2 of its ambitious development plan. Director, IIM Ranchi Prof. Deepak Kumar Srivastava, emphasized the institution's unwavering commitment to providing a holistic educational experience that extends beyond traditional pedagogy. He stated that IIM Ranchi is dedicated to enhancing its campus infrastructure to cultivate a dynamic and enriching learning environment. A key component of the second phase of development is the construction of a state-of-the-art student residence hall designed to foster a sense of community and provide comfortable accommodation for the institute's burgeoning student population, projected to reach 1200.

In addition, the second phase will feature the development of a comprehensive sports complex. This cutting-edge facility will boast a wide array of amenities, including a swimming pool and dedicated courts and fields for basketball, volleyball, lawn tennis, badminton, squash, cricket, and football, promoting student well-being and a vibrant campus life. Aligned with its vision for global engagement, IIM Ranchi, recognized as an Institute of National Importance, remains steadfast in its pursuit of academic excellence and impactful research in management. To further catalyze these initiatives, the institute will establish a Management Development Centre (MDC). This facility will serve as a hub for faculty, research scholars, and leading management experts to collaborate, innovate, and advance the frontiers of management knowledge. CPWD will play an integral role in facilitating the successful realization of this transformative project. Mr. M.P. Singh, Chief Engineer of CPWD, underscored the organization's proven expertise in developing robust infrastructure for numerous educational institutions nationwide.

विश्व पर्यावरण दिवस – एसएस मेमोरियल कॉलेज, रांची

'एसएस मेमोरियल कॉलेज राँची एसएस मेमोरियल कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर कॉलेज परिसर में प्राचार्य शिक्षकगण, कर्मचारीगण व विद्यार्थियों ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ बीपी वर्मा ने परिसर में पौधारोपण किये और कॉलेज के शिक्षकों व विद्यार्थियों को अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किरते हुए कहे की प्रकृति हमें जीवन (साँस) व उपहार दोनों देती है इसलिए हमें निष्ठापूर्वक पर्यावरण का संरक्षण व संवर्धन दोनों के लिए संकल्पबद्ध होना चाहिए । नागपुरी भाषा के प्रोफेसर डॉ सुबास साहु ने इस अवसर पर कहा कि इस साल विश्व पर्यावरण दिवस का विषय प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना रखा गया है। प्लास्टिक व पॉलीथिन हमारे दैनिक जीवन के उपयोगिता में बहुत ही अंदर तक पहुँच चुकी है इसलिए हमें बहुत ही सजग रहने की जरूरत है। इस अवसर पर कॉलेज के असिस्टेंट परीक्षा नियंत्रक डॉ जुरन सिंह मानकी, ब्रसर डॉ बीपी अखोरी, डॉ संजय सारंगी, डॉ त्रिभुवन शाही, डॉ सुबास साहु, डॉ जेबा मैम, डॉ रुकैया प्रवीण, डॉ कन्हैया लाल, एकाउण्टेंट जितेंद्र सिंह, खेल शिक्षक राजू साहु, आदर्श रोनित कुमार, मोनू थापा, दीपक कुमार, अनूप कुमार, धनेश्वर कुमार, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

स्नातक कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन शुरू– संत पॉल्स कॉलेज, रांची

संत पॉल्स कॉलेज में स्नातक कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन 29 जून तक से सत्र (25 – 29) के लिए 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम और वोकेशनल कोर्स (बीबीए बीसीए) में ऑनलाइन प्रवेश प्रारंभ हो गया है। चांसलर पोर्टल के माध्यम से इच्छुक अभ्यर्थी 29 जून तक आवेदन कर सकते हैं जिस भी स्टूडेंट के पास कट स्कोर नहीं है वह 12वीं के अंकों के आधार पर आवेदन कर सकते हैं 29 जून तक अगर सीटे खाली रहती है तो आवेदन की तिथि बढ़ाई जा सकती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर रांची रेल मंडल

विश्व पर्यावरण दिवस पर रांची रेल मंडल ने 805 से अधिक पौधे लगाए रेल मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया और मंडल के विभिन्न स्थानों पर पाधरोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा ने मंडल कार्यालय प्रांगण में रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई शपथ के बाद मंडल रेल कार्यालय से हटिया स्थित शेरशाह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम के समीप खिलाड़ियों के लिए बनाए गए स्पोर्ट्स हॉस्टल परिसर तक वाकथौन का आयोजन किया गया इसके बाद रेल प्रबंधक मंडल के शाखा अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा स्पोर्ट्स हॉस्टल परिसर में पौधारोपण किया ।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रांची रेल मंडल में 22 से 5 जून तक विश्व पर्यावरण दिवस अभियान चलाया जाएगा

बीआईटी मेश्रा में किया गया पौधरोपण

बीआईटी मिश्रा के एक्सटेंशन शाखा लालपुर के तत्वाधान सामूहिक रूप से पाधरोपण कार्यक्रम का आयोजन संस्था के प्रभारी डॉक्टर प्रणव कुमार के नेतृत्व में किया गया शिक्षकों और अधिकारियों कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से 105 पौधा पूरे प्रांगण में लगाया और उन्हें संरक्षण की शपथ ली डॉक्टर प्रणव कुमार ने कहा कि आज का दिन लालपुर के प्रांगण में 105 पौधा लगाने और उसका संरक्षण करने का शिक्षकों द्वारा लिया गया शपथ बहुत ही सराहनीय रहा कार्यक्रम के समय सभी शिक्षक उपस्थित थे।

रांची विश्वविद्यालय विश्व पर्यावरण दिवस

रांची विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मास्क कम्युनिकेशन में विश्व पर्यावरण दिवस पर शिक्षक एवं छात्रों के साथ पौधारोपण का काम किया निदेशक डॉक्टर बसंत झा ने छात्रों और शिक्षकों के साथ मिलकर कॉलेज कैंपस में पौधा लगाए निदेशक ने छात्रों को इस दिवस के बारे में जानकारी दी उन्होंने छात्रों को बताया कि पेर हमारे जीवन के लिए कितना महत्वपूर्ण है इस कार्य कर्म के लिए शिक्षक छात्र और निर्देशक कि अहम भूमिका रही।

रांची यूनिवर्सिटी, रांची

रांची यूनिवर्सिटी (आरयु) मे कानून की पढ़ाई में बड़ा परिवर्तन होने वाला है। 3 वर्षीय एलएलबी कोर्स शैक्षणिक सत्र 25–26 में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू होगा ।अब स्टूडेंट को अंक की जगह क्यूमुलेटिव में ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए) दिए जाएंगे। अभी अंकों के आधार पर फर्स्ट सेकंड और थर्ड डिवीजन में ही नतीजा घोषित होते हैं डीन डॉ. पंकज कुमार चतुर्वेदी ने सिलेबस का ड्राफ्ट तैयार भी कर लिया है। वीसी डॉ. अजीत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में 16 जून को होने वाली एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसे मंजूरी मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके सिलेबस में एआई, इनसोल्वेशी, साइबर लॉ , बैंकर्सस्पी भी शामिल किया जाएगा। इसी प्रकार पॉच वर्षीय इंटीग्रेटेड एलएलबी कोर्स में छः इंटर्नशिप करना अत्यंत अनिवार्य होगाव सेमेस्टर 4 सेमेस्टर 10 के बीच स्टूडेंट को यह इंटर्नशिप पूरी करनी ही होगीव इनमें पांच इंटर्नशिप कानून से संबंधित होगा जबकि एक प्रबंधन से जुड़ा भी होगा।

रांची यूनिवर्सिटी को झारखंड इंस्टिट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन

रांची यूनिवर्सिटी को झारखंड इंस्टिट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन द्वारा 4 वर्षीय टेक्सटाइल कोर्स की पढ़ाई प्रारंभ करने का प्रस्ताव दिया गया है। इसके अलावा क्राफ्ट कल्चर कम्युनिकेशन एंड परफॉर्मिंग ,आर्ट क्राफ्ट और मैनेजमेंट जैसे कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। इसका सिलेबस और संचालन रेगुलेशन भी तैयार कर लिया गया है । भारतीय ज्ञान परंपरा की पढ़ाई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पहले से ही स्नातक स्तर पर हो रही है ।भारतीय ज्ञान परंपरा को भी इसी सत्र से सिलेबस में शामिल किया जाएगा। इसका सिलेबस भी विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है जिसमें एकेडमिक काउंसिल द्वारा संस्कृत स्वीकृति प्रदान कर दी जाएगी। भारतीय ज्ञान परंपरा की पढ़ाई 9 क्रेडिट में होगी।

गोस्सनर कॉलेज में नशा मुक्ति अभियान

गोस्सनर कॉलेज के व्यावसायिक विभाग तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डालसा की ओर से ड्रग्स मुक्त भारत के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करते हुए मास कम्युनिकेशन विभाग की सहायक प्रधान अध्यापक महिमा गोल्डन विलुंग ने भाषण देते हुए भारत को ड्रग्स मुक्त करने के लिए सभी ने मिलकर प्रण लिया।

30 जून से एलएलएम कोर्स में नामांकन

डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी में 2025 से 27 के लिए एलएलएम कोर्स के लिए आवेदन 30 जून से भरे जाएंगे। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक है सिलेक्शन एंट्रेंस टेस्ट के आधार पर होगा इंटरेस्ट टेस्ट की तिथि 7 अगस्त होगी।

संत अन्ना हजारे इंटर कॉलेज, रांची

संत अन्ना हजारे इंटर कॉलेज में नए सत्र की शुरुआत 5 जुलाई 2025–27से होगी। कॉलेज की प्रिंसिपल सि. मेरी टोप्पो ने बताया कि साइंस और आर्ट्स में सीट लगभग भर चुकी हांलाकि कॉमर्स में कुछ सीट खाली है, कक्षाएं शुरू होने से पहले तक सीटों में नामांकन ले लिया जाएगा और 5 जुलाई को साइंस आर्ट और कॉमर्स के छात्रों के लिए फ्रेशर्स कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

COLLEGE *Campus Interview*

I'm **Shruti Priya**, a 2025 pass-out from NIT Jamshedpur. I'm currently interning at Amazon as an SDE intern and have a full-time offer from BNY Mellon. My journey in tech so far has been filled with learning, challenges, and growth, and I'm excited to keep exploring this ever-evolving field. One of my biggest motivations is to make my parents proud and give back to those who've supported me. I believe College Era is a great platform to encourage and celebrate students. Sharing real journeys helps inspire others, and I'm glad to be a part of this initiative.

Sushant Raj
College Name:- GITA Autonomous College Bhubaneswar

About Magazine:-
The launch of this magazine is a remarkable step forward in creating a platform that informs, inspires, and ignites ideas. In a world where information is abundant but insights are rare, this magazine stands as a curated space where students, professionals, and aspiring individuals can discover real stories, expert perspectives, and emerging trends across diverse fields

Aastha Rani
College: B.I.T. Sindri, Dhanbad
Currently working as Assistant manager at ArcelorMittal Nippon Steel India Ltd.

Ambition: To become a District Magistrate.
My hobbies are -Reading,painting dancing My favorite game is chese .
My favorite food is south Indian.
"I am so happy to see new magazine college Era launch .I am so excited to see what's new createand thank you for bringing this new magazine to college life.I look for read it

SSC ने स्टेनोग्राफर ग्रेड C, D के 261 पदों पर भर्ती के लिए वैकेंसी निकली है।

स्टाफ सिलेक्शन कमीशन ने ग्रेड C,D स्टेनोग्राफर के 261 पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत हो चुकी है। उम्मीदवार वेबसाइट ssc-gov-in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यता: किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं पास या उसके बराबर डिग्री।

आयु सीमा जनरल ईडब्ल्यूएस के लिए 18 से 30 साल, ओबीसी के लिए उम्र 3 साल की छूट दी जाएगी और एससी–एसटी के लिए उम्र में 5 साल की छूट दी जाएगी और पीडब्ल्यूडी के लिए उम्र में 10 साल की छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क: फॉर्म भरने के लिए रू 100/– फीस भरनी होगी, महिला SC, ST, OBV, PWBD और एक्स सर्विसमैन कैंडिडेट को फीस नहीं देनी होगी।

कैसे करें आवेदन: ऑफिशल वेबसाइट SSC, government.in पर जाएं। अप्लाई लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें। लॉगिन करके फॉर्म भरे फीस का भुगतान करके फॉर्म सबमिट कर दें। फार्म डाउनलोड करें आगे की जरूरत के लिए फॉर्म का प्रिंट आउट लेकर चयन प्रक्रिया CBT यानी कंप्यूटर बेस्ड, टेस्ट, स्किल टेस्ट, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर होगी

14582 पदों पर भर्तियां

कर्मचारी चयन आयोग एससी ने सीजीएल भर्ती के आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। उम्मीदवार ऑफिशल वेबसाइट ssc-gov-in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं इस भर्ती के लिए फीस जमा करने की आखिरी तारीख 5 जुलाई तक की गई है।

कैसे करें: आवेदन ऑफिशल वेबसाइट ssc-gov-in होम पेज पर मौजूद न्यू यूजर या OTR (on time registration) लिंक पर क्लिक करें नाम मोबाइल नंबर ईमेल आईडी जन्मतिथि राष्ट्रीयता शैक्षणिक योग्यता और पता जैसी जरूरी जानकारी भरे।सभी जानकारी भरने के बाद सम्मित करें सफल रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड मिलेगा। रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड की मदद से लॉगिन करें लॉगिन के बाद SSC CGL का फॉर्म भरकर पोस्ट चुने पासपोर्ट साइज फोटो और हस्ताक्षर की स्कैन की गई कॉपी अपलोड करें फीस जमा करके फॉर्म सम्मित करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

शैक्षणिक योग्यता: 12वीं में न्यूनतम 60प्रतिशत अंकों के साथ संबंधित विषय में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए ।

आयु सीमा: न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम पद के मुताबिक 27 –32 साल होगी एससी एसटी को 5 साल, ओबीसी को 3 साल, और पीडब्ल्यूबीडी (अनरिजर्व) को 10 साल की छूट दी जाएगी। आयु सीमा की गणना 1 अगस्त 2025 के आधार पर की जाएगी।

आवेदन शुल्क: जनरल ओबीसी ईडब्ल्यूएस को रू 100 और एससी एसटी महिला के लिए निशुल्क है।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग 1373 पदों पर भर्ती

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने सेकेंडरी टीचर के 1373 पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशल नोटिफिकेशन जारी कर दिया है इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 18 जून से होगी।उम्मीदवार जेएसएससी रींतींदक.हवअ.इन पर आवेदन कर सकेंगे।

शैक्षणिक योग्यता: पद के अनुसार स्नातकोत्तर डिग्री या बीएड, बीटेक, M.ed, एमएससी, एमसीए या पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री ।

आयु सीमा: अधिकतम 45 साल रखी गई है रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों की ऊपरी उम्र में सरकारी नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी ।

आवेदन शुल्क : जनरल के लिए रू 100 और एससी एसटी के लिए रू 50

आवेदन ऐसे करें: आवेदन ऑफिशल वेबसाइट jssc-jharkhand-gov-in पर जाए न्यू रजिस्ट्रेशन पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें । लॉग इन करके जरूरी डिटेल्स दर्ज करें। सभी डाक्यूमेंट्स सबमिट करें ।फीस जमा करके फॉर्म का प्रिंट आउट ले ले। चयन प्रक्रिया एग्जाम के बेसिस पर होगी।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड और सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के बीच एमओयू

(एआईटी कॉन्फ्रेंस हॉल, बैंकॉक) एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (AIT), थाईलैंड और सरला बिरला विश्वविद्यालय (SBU), रांची के बीच एकेडमिक समझौता (MoU) किया गया है। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन के नेतृत्व में 17 जून, 2025 को एआइटी, बैंकॉक के कॉन्फ्रेंस हॉल में इस समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।

एमओयू के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता, नये रिसर्च और

अंतरराष्ट्रीय सहयोग की दिशा में काम किया जायेगा। समझौते पर एआईटी के उपाध्यक्ष एकेडमिक एंड रिसर्च प्रो मनुकित पर्निचकुन व एसबीयू के कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने हस्ताक्षर किया। मौके पर एआईटी के कार्यकारी निदेशक प्रो नितिन के. त्रिपाठी, अंतरराष्ट्रीय मामलों की विभाग की निदेशक डॉ सुमना श्रेष्ठ तथा एआईटी थाईलैंड से अन्य डीन भी उपस्थित थे। एसबीयू की ओर से डीन डॉ. संदीप कुमार, डीन अजय कुमार, डॉ. बी. समंता, डॉ. मनोज पांडेय, डॉ रिया मुखर्जी, डॉ. मीता वर्मा, श्वेता कुमारी, डॉ. उत्सव विशाल, डॉ. सागर साड़ंगी और डॉ. अभिषेक कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह एमओयू छात्रों एवं शिक्षकों के अकादमिक आदान–प्रदान, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, उद्यमिता विकास एवं क्षमता निर्माण जैसे कई क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा। प्रो. सी. जगनाथन ने उम्मीद जताई कि इस भागीदारी से दोनों विश्वविद्यालयों को निकट भविष्य में परस्पर विकास के अलावा शोधपरक जानकारियां एवं नवीनतम उपलब्धियां हासिल हो सकेंगी।

समझौते पर एआईटी के प्रेसिडेंट प्रो पै– ची ली और एसबीयू की माननीया कुलाधिपति जयश्री मोहता, माननीय प्रतिकुलाधिपति बी. के. दलान, माननीय बोओजी मेंबर अनंत जाटिया, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक एवं माननीय निदेशक, प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने हर्ष व्यक्त किया है।

पश्चिम बंगाल में 35726 पदों पर भर्ती

वेस्ट बंगाल सेंट्रल स्कूल सर्विस कमीशन के तहत असिस्टेंट टीचर के 35,726 पदों पर भर्ती निकली है। आवेदन 16 जून से शुरू होगा उम्मीदवार westbengalssc-com पर आवेदन करें। फी 14 जुलाई तक जमा करें।

शैक्षणिक योग्यताः कक्षा नौवीं और दसवीं के लिए आवेदन करने वाली उम्मीदवार को ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन में काम से कम 50ः अंक होना चाहिए। मान्यता प्राप्त संस्थान से इ.मक या 4 वर्षीय बीएड/ बीएससी एड की डिग्री कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार को कम से कम 50% अंकों के साथ पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री b-ed या BA -Ed/Bc-Ed की डिग्री।

आयु सीमाढः न्यूनतम 21 साल और अधिकतम 40 साल होना चाहिए। एससी/ एसटी को 5 साल ओबीसी को 3 साल और विकलांग को 8 साल की छूट होगी।

आवेदन शुल्क : सामान्य वर्ग को रू 500 एससी एसटी पीएच का रू 200 देने होंगे।

कैसे करें आवेदन : ऑफिशल वेबसाइट Westbengal ssc-com पर जाएं AWBSSC teacher requirement पर क्लिक करें जानकारी भरे और डॉक्यूमेंट अपलोड करें आवेदन शुल्क जमा करें और फॉर्म सबमिट करें। फॉर्म का पीडीएफ सेव करें और उसका प्रिंट निकाले। चयन प्रक्रिया रिटन एग्जाम और इंटरव्यू के आधार पर होगा।

यूपी में अ. प्रोफेसर 107 पदों पर भर्ती

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की ओर से असिस्टेंट प्रोफेसर बीएड के पदों पर भर्ती निकली है। इसके लिए आवेदन की तिथि अब 21 जून की गई है। वेबसाइट Uessc-up-gov-in पर आवेदन कर सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताः 55% अंकों के साथ साइंस/ मैथ्स/ सोशल साइंस/ कॉमर्स/ लैंग्वेज में पीजी डिग्री (B.ed टीचिंग के लिए) विशेषज्ञता के क्षेत्र में संबंधित विषय में 55 प्रतिशत अंकों के साथ पीजी डिग्री (M.ed टीचिंग के लिए) 55 प्रतिशत अंकों के साथ एमएड की डिग्री या 55 प्रतिशत अंकों के साथ शिक्षाशास्त्र में एमए और 55 प्रतिशत अंकों के साथ बीएब/ बीएलएड या समकक्ष डिग्री शिक्षाशास्त्र में पीएचडी या नेट एग्जाम पास या समकक्ष परीक्षा पास।

आयु सीमा : अधिकतम 62 वर्ष रखी गई राज्य के आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट मिलेगी ।

आवेदन शुल्क : सामान ओबीसी ईडब्ल्यूएस के लिए रू 2000 और एससी, एसटी, पीएच के लिए रू 1000 आवेदन शुल्क है।

कैसे करें आवेदनः ऑफिशल वेबसाइट upess -up-gov-in पड़ जाए जरूरी डिटेल्स दर्ज करके रजिस्ट्रेशन करें। मांगे गए डॉक्यूमेंट अपलोड करें। फीस का भुगतान करके सम्मिट बटन पर क्लिक करें। कंफर्मेशन पेज डाउनलोड करें। आगे की जरूरत के लिए उसका प्रिंट आउट लेकर रखें। चयन प्रक्रिया रिटन एग्जाम के आधार पर होगी।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा 2024 का रद्द

झारखंड एकेडमिक काउंसिल जैक ने एक नोटिफिकेशन जारी करते हुए झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा जेटेट 2024 का विज्ञापन को रद्द कर दिया। इसके तहत नई नियमावली के साथ एक नया विज्ञापन जारी होगा जैक ने स्पष्ट किया कि जिन अभ्यर्थियों ने पहले आवेदन शुल्क जमा किया था। उन्हें दोबारा शुल्क नहीं देना होगा। जैक ने पिछले ही साल जेटेट के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे। जिसमें करीब 3.65 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन भी किया था। परीक्षा में शामिल होने के लिए सामान्य पिछड़ा, अत्यंत पिछड़ा और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 1300 रुपया जबकि दिव्यांग अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए रू 700 निर्धारित किया गया था। सिलेबस में खामियों के कारण परीक्षा पर रोक लगाई गई थी। समझने वाली बात यह है कि झारखंड में अभी तक अलग राज्य बनने के बाद 25 वर्षों के अंतराल में जेटेट का आयोजन सिर्फ दो बार ही किया गया है। पहली बार 2013 में 68000 और 2016 में 53000 अभ्यर्थी सफल हुए थे इसके बाद में अभी तक परीक्षा नहीं हुई। जेसीईसीईबी द्वारा इंजीनियरिंग व पॉलिटिकल में लैटरल एंट्री के लिए आयोजित परीक्षा की आंसर की जारी कर दिए गए है जेसी ईबीसीई की वेबसाइट पर अभ्यर्थी द्वारा देखा जा सकता है जिसको आंसर को लेकर कोई आपत्ति है तो साक्ष्य के साथ 19 जून को शाम रू 500 बजे तक जेसी ईसीबी को ईमेल द्वारा सूचित कर सकते हैं।

बीपीएससी 2025 के परीक्षा कैलेंडर जारी

बीपीएससी में 2025 के परीक्षाओं के कैलेंडर को जारी कर दिया गया है।आयोग सितंबर तक 12 परीक्षाएं आयोजित करेगा। उसके माध्यम से लगभग 2000 पदों की भर्ती होगी इसमें 3 अगस्त को 47 पदों पर संख्याकी पदाधिकारी और 10 सितंबर को 1264 पदों पर 71वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा करवाई जाएगी।13 सितंबर को बीपीएससी कार्यालय 41 पदों में सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के भारती की परीक्षा होगी। बीएससी परीक्षा में डी एसपी के 14 पदों में वृद्धि की गई है।अब 1264 पदों पर भर्ती होगी। उसमें डीएसपी के

14 पद होगे इससे पहले 100 सिनियर डिप्टी कलेक्टर, 79 एफएओ सहित अन्य पद थे। लेकिन डीएसपी के लिए नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया था।

प्रोजेक्ट मैनेजर के 30 पदों हेतू ऑनलाइन आवेदन

झारखंड लोक सेवा आयोग जेपीएससी द्वारा उद्योग विभाग के प्रोजेक्ट मैनेजर के लिए रिक्त पदों पर भर्ती हेतु प्रक्रिया शुरू कर दी गई है अर्हता रखने वाले इच्छुक उम्मीदवार 20 जून से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10 जुलाई है जबकि परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई है। अभ्यर्थी आवेदन की हार्ड कॉपी 23 जुलाई तक जीपीएससी कार्यालय में जमा कर सकेंगे।इस पद पर नियुक्ति के लिए इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में बैचलर डिग्री हासिल करने वाले अभ्यर्थी पात्र होंगे एवंअर्थशास्त्र, गणित, संख्याकी विज्ञान ,वाणिज्य, कास्ट अकाउंट, सेरीकल्च, j फूड टेक्नोलॉजी प्रबंधन में से किसी में भी स्नातक उपाधि धारण करने वाले हैं अभ्यर्थी इन पदों के लिए योग्य है पेपर 1में समान हिंदी के एक सौ प्रश्न की परीक्षा होगी। वहीं पेपर 2 में सामान्य अंग्रेजी की एक सौ अंको की परीक्षा होगी। दोनों पेपर न्यूनतम तीस : अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। लेकिन दोनों पेपर के अंक अंतिम मेरिट में नहीं जोड़े जाएंगे। वहीं पेपर 3 में सामान्य अध्ययन 200 अंकों की परीक्षा होगी। इसी प्रकार पेपर 4 में औद्योगिक विकास श्रम कानून और संबंधित नियम से 300 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे। कैटिगरी वाइज रिक्त पद अनारक्षित 13, आर्थिक रूप से कमजोर 2 ,अनुसूचित जाति 3, अनुसूचित जनजाति 8, अत्यंत पिछड़ा वर्ग 2, पिछड़ा वर्ग 21।

एपीपी के 26 पदों के लिए 24 जून से

आवेदन जमा : झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से अस्सिटेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर एपीपी के पदों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। अर्हता रखने वाले विद्यार्थी 24 जून से ऑनलाइन फॉर्म जमा कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। आयोग की वेबसाइट jpsc-gov-in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। वहीं परीक्षा शुल्क भुगतान करने में अंतिम तारीक 16 जुलाई को शाम रू 500 बजे तक है। इस परीक्षा की माध्यम से ऐपीपी के कुल 26 पदों की नियुक्ति की जानी की जाएगी। अभ्यर्थी के पास एडवोकेट के रूप में कोर्ट में प्रेक्टिस करने के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से लॉ में ग्रेजुएशन की डिग्री आवश्यक है। झारखंड लोक सेवा आयोग जेपीएससी की ओर से अस्सिटेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और अभ्यर्थी पास एडवोकेट के रूप में इसके अलावा अभ्यर्थियों के पास राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थाओं से कंप्यूटर ऑपरेशन का सर्टिफिकेट होना चाहिए। ओबीसी कैटेगरी के लिए परीक्षा शुल्क रू 600 तो एसटीएससी कोटि के अभ्यर्थियों के लिए रू 150 परीक्षा शुल्क। एबीपी के न्यूनतम आयु 21 वर्ष है और आयु की गणना 1 अगस्त 2024 के आधार पर की जाएगी। ओबीसी के लिए अधिकतम आयु 37 वर्ष जबकि ओबीसी महिला के लिए 38 वर्ष एसटीएससी पुरुष व महिला के लिए अधिकतम 40 वर्ष आयु का निर्धारण किया गया है। अस्सिटेंट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर पद के लिए दो पेपर की परीक्षा का आयोजन जाएगी। दोनों पेपर की परीक्षा दो–दो घंटे होगी जिसमें प्रथम पेपर में सामान्य अध्ययन से 100 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे वहीं सेकंड पेपर में विधि विषय से लगभग 200 सवाल पूछे जाएंगे सभी सवाल ऑब्जेक्टिव टाइप के होंगे। कुल पद से 13 गुना अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा में चयनित किए जाएंगे।

स्नातक परीक्षा में पचास हजार आवेदन पर जेएस–एससी पीटी भी लेगा

अब झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा स्नातक स्तरीय परीक्षा में बड़े बदलाव हो रहे हैं अगर पचास हजार से अधिक आवेदक हुए तो पहले प्रारंभिक परीक्षा तो होगी ही फिर मुख्य परीक्षा भी ली जाएग हालांकि पचास हजार से कम आवेदक होने पर सिर्फ मुख्य परीक्षा ली जाएगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में क्रमिक विभाग ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट सचिव वंदना दादिल ने बताया कि जेएसएससी की स्नातक स्तरीय प्रारंभिक परीक्षा में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ और बहुविकल्पीय होंगे। जो तीन–तीन नंबर के होंगे हर गलत उत्तर पर एक अंक की कटौती भी होगी। परीक्षा की भाषा हिंदी और अंग्रेजी होगी। प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम में सामान्य अध्ययन झारखंड से संबंधित ज्ञान समान्य ज्ञान सामान्य गणित सामान्य विज्ञान और मानसिक क्षमता जांच के कुल 120 प्रश्न होंगे।

झारखंड लोक सेवा आयोग ने रजिस्टर नियुक्ति का रिजल्ट जारी किया

झारखंड लोक सेवा आयोग ने राज्य के सात विश्वविद्यालय मे रजिस्टर पद पर नियुक्ति के लिए रिजल्ट जारी कर दिया है रांची यूनिवर्सिटी में बसंत कुमार झा, विमल कुमार मिश्रा विनोबा भावे यूनिवर्सिटी हजारीबाग, डॉ राजीव रंजन सर्मा सिद्धू कानू यूनिवर्सिटी दुमका , कुमारी अंजना जमशेदपुर वूमेनस कॉलेज , विक्रम शर्मा कोल्हन यूनिवर्सिटी चाईबासा रांची यूनिवर्सिटी मारवाड़ी कॉलेज के कॉमर्स के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ राजीव रंजन शर्मा का रजिस्टर पद के लिए चयन हुआ है ,जेपीएससी ने 2 साल पहले रजिस्टर और विश्वविद्यालय अधिकारियों के साथ पदों पर नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू की थी 29 अप्रैल को इंटरव्यू का आयोजन किया गया था रजिस्टर की नियुक्ति हो गई ।

पोओ की प्रारंभिक परीक्षा 17 से 24 अगस्त तक

आईबीपीएस/आईबीपीएस ने परीक्षा के तारीखों में बदलाव करते हुए नई परीक्षा शेड्यूल को घोषित कर दिया है पीओ मैनेजमेंट ट्रेनिंग पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा 17,23 और 24 अगस्त को देश भर में होगी। मुख्य परीक्षाएं 12 अक्टूबर को होगी, रिक्त पदों की संख्या 3955 है। जल्दी ही इसकी अधिसूचना भी जारी हो जाएगी और आवेदन लिए जाएंगे। स्पेशल ऑफिसर कस्टमर सर्विस एसोसिएट भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा और मुख्य परीक्षा की तारीख को भी घोषित किया जा चुका है। प्रारंभिक परीक्षा 30 अगस्त को होगी जबकि मुख्य परीक्षा 9 नवंबर को होने वाली है। 896 पदों पर भर्ती होनी है जुलाई में नोटिफिकेशन जारी होने की पूरी संभावना है आईबीपीएस क्लर्क भर्ती यानी कस्टमर सर्विस एसोसिएट के लिए प्रारंभिक परीक्षा 4,5 और 11 अक्टूबर को होनी है मुख्य परीक्षा 29 नवंबर को होने वाली होना है।

Bureau Chief's *Choice*

किताबें झांकती है बंद अलमारियों के शीशे से, अब महीनों मुलाकाते नहीं होती

डॉ. शीतल कुमारी

"किताबें झांकती है बंद अलमारियों के शीशे से, अब महीनों मुलाकाते नहीं होती।"

जी हां यह लिखा हुआ गुलजार जी का लाइन वर्तमान समय में बिल्कुल सही बैठ रहा है क्योंकि बच्चे अब किताबें नहीं मोबाइल से पढ़ते हैं .महीनो अब हम पुस्तकालय नही जाते ।ये बात सही है कि मोबाइल में असीमित जानकारियां होती है जिस क्षेत्र में हो हमें गहरी जानकारियां बहुत ही सुगमता से मिल सकती है। जबकि किताबों में ऐसा नहीं हो सकता है। एक किताब में जानकारी किसी खास स्तर का होता है हम उतनी ही जानकारी ग्रहण करते जितना हमारे स्तर पर होना चाहिए। इसके लाभ यह होते हैं कि हम स्टेप बाय स्टेप आगे बढ़ते हैं एक भाग को अच्छी तरह सीख कर दूसरे भाग में पहुंचते हैं इस तरह हमारे दिमाग की खूब कसरत होती है और हमारे शब्दावली का विकास होता है साथ ही ध्यान को स्थिर रखने की क्षमता को भी बढ़ाती है। जिस तरह से लिफ्ट हमारे लिए सुविधाजनक तो हो सकता है मगर स्वास्थ्यवर्धक नहीं शरीर को क्रियाशील बनाए रखने के लिए हमें सीढ़ी चढ़ना ही चाहिए। इसी प्रकार मोबाइल या अन्य कोई साधन हमें जल्दी जानकारी तो दे सकता है लेकिन हमारे दिमाग को कार्यहीन कर देता है। दिमाग की कार्यशीलता इतनी बुरी तरह प्रभावित होती है कि इसका विकास नकारात्मक रूप ले लेता है हम कुछ भी करने के लिए दिमाग को काम में ही नहीं लेते तो धीरे–धीरे हमारे दिमाग निष्क्रिय होने लगता है हमारी याददाश्त भी घटने लगती है। मनुष्य के व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए किताबों से अच्छा कोई भी श्रेष्ठ कर विकल्प नहीं है बच्चों में परत –दर –परत विकास इंटरनेट या मोबाइल, कंप्यूटर से नहीं हो सकता है क्योंकि यह सब बनाने वाले भी पहले किताब को पढ़कर ही अपने दिमाग को इस लायक बनाया कि वह कंप्यूटर को बना सके। कंप्यूटर से पढ़ने वालों के दिमाग किताब को पढ़ने वालों से अधिक तेज नहीं हो सकते अगर ध्यान लगाकर किताबों को पढ़ा गया हो तो बच्चो के मस्तिष्क के विकास में हमें बेहतर परिणाम ही मिलेगें। किताबों को पढ़ना ही होगा इससे न सिर्फ फोक्स और एकाग्रता बढ़ेगी बल्कि आत्मविश्वास के साथ–साथ हमारे बोलने की शैली का भी विकास किताबों के द्वारा ही होता है।

योग में शिक्षा और शिक्षा में योग

वर्तमान समय में योग हमारे करियर बनाने में एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाता ही है साथ ही योग को करियर के रूप में भी अपनाने के नये दरवाजे खोल रहा है और योग में शिक्षा प्राप्त की जा रही है । अर्थात आज के युवा योग को एक करियर के रूप में भी देख रहे हैं इसके अंतर्गत टीचर ट्रेनर बन सकते हैं इसके अलावा रिसर्चर या कॉर्पोरेट में योग इंस्ट्रक्शन का भी करियर अच्छा ऑप्शन है। कई शिक्षण संस्थानों में योग की शिक्षा दी जा रही है। इसके लिए कोर्स करवाए जा रहे हैं इतना ही नहीं यहां से योग की शिक्षा प्राप्त कर विदेशों में भी योग की शिक्षा दे रहे हैं। योग की शुरुआत भारत में ही हुई थी इसलिए यहां इंस्ट्रक्टर के डिमांड विदेश में खूब है। 12वीं के बाद इसके कोर्स के कई रास्ते खुल जाते हैं देश के कई विश्वविद्यालय इस पर कोर्स करवा रहे हैं इसमें शुरू से लेकर पीएचडी तक कर सकते हैं जिसमें से हमारे शहर के भी दो विश्वविद्यालय रांची यूनिवर्सिटी और डीएसपीएयू में योग शिक्षा के लिए कोर्स करवाए जा रहे हैं ।आरयू के योग विभाग के निदेशक डॉ सुनील कुमार सिंह के अनुसार रांची यूनिवर्सिटी में योग की शिक्षा की शुरुआत 2017 में हुई यहां तीन कोर्स होते हैं। पीजी डिप्लोमा 1 वर्ष का है जबकि एमएससी मास्टर डिग्री 2 वर्ष का और बीएससी इन योग साइंस 3 वर्ष का है ।अभी यहां तीनों बैचो में 200 विद्यार्थी है। वर्ष 2017 से अब तक 500 से अधिक विद्यार्थी पास आउट होकर करियर देश विदेश में बना चुके हैं योग में बच्चों की शिक्षा के लिए 7 शिक्षक है। नेट के 22 विद्यार्थी भी है दो विद्यार्थियों ने जेआरएफ भी निकाल लिया है। 2023 में लड़कियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में 246 विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। वही 2024 में भी खेलो इंडिया में यहां के छात्रों ने तीसरा स्थान पाया। रांची यूनिवर्सिटी के तहत स्कूल का योग में बीएससी इन योग साइंस 3 वर्षीय कोर्स का के लिए नामांकन प्रारंभ हो गया है। चांसलर पोर्टल के माध्यम से इच्छुक व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के उपरांत विद्यार्थी विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक संस्थान में योग प्रशिक्षण के रूप में सेवा देने के लिए पात्र हो जाएंगे अधिक जानकारी के लिए मोराबादी स्थित स्कूल आफ योग के कार्यालय में एवं विभाग की वेबसाइट पर लॉगिन कर जानकारी ले सकते हैं 3 वर्षीय कोर्स करने के बाद योग के करियर में असीम संभावनाएं उपलब्ध हो जाती है इसी प्रकार डीएसपीएमयू में 6 साल से योग की शिक्षा दी जा रही है । डीएसपीएमयू में पिछले 6 वर्षों में यहां विद्यार्थियों ने योग को की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं इस समय तीन बैच में 60 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। तीन बैच में 20 – 20 के हिसाब से विद्यार्थी शामिल होते हैं 4 वर्ष में कोर्स पूरा होता है। इस वर्ष भी 4 बैच शुरू किए जाएंगे ।साथ ही साथ चारों बैच में 10–10 की संख्या विद्यार्थियों की बढ़ाने का निर्णय लिया गया है विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को भी योग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

Dr. P. Chatterjee *Choice*

M.Sc. & Ph.D. in Yoga

Utility of Yoga in Ancient and Modern Era

Yoga, derived from the Sanskrit root 'Yuj' meaning "to unite," is far more than a mere system of physical exercise. It is a science of holistic health that integrates the body, mind, emotions, & spirit. It aims to harmonize human existence with universal consciousness. In both ancient andmodern contexts, yoga has served as a means to achieve balance, self-realization, and well-beingat every level— physical, mental, social, and spiritual.

Historical Background of Yoga

1. Pre-Vedic and Vedic Era:
The roots of yoga trace back over 5,000 years. In the pre-Vedic age, practices of meditation & rituals can be seen in archaeological findings from the Indus Valley Civilization (e.g., Pashupati seal). During the Vedic era (1500–500 BCE), yoga was deeply intertwined with rituals, chants(mantras), and spiritual discipline. The Rigveda, Yajurveda, Samaveda, and Atharvaveda containhymns that reflect yogic philosophy and concentration practices.

2. Upanishadic and Epic Period:
The Upanishads introduced the idea of Atman (soul) and Brahman (universal consciousness),
establishing the spiritual foundation of yoga. The Bhagavad Gita, part of the Mahabharata,outlines various paths of yoga—Bhakti, Karma, Jnana, and Raja Yoga.

3. Classical and Post-Classical Period:
Patanjali's Yoga Sutras (circa 200 BCE) systematized yoga into the eightfold path (Ashtanga Yoga), focusing on ethical discipline, posture, breath control, meditation, and liberation. Later,Hatha Yoga evolved with an emphasis on physical purification and energy awakening, prominently detailed in texts like Hatha Yoga Pradipika and Gheranda Samhita

4. Modern Revival to Present Day:
From the 19th century, yoga gained global recognition through great masters like Swami Vivekananda, Sri Aurobindo, Swami Sivananda, and T. Krishnamacharya. Their disciples further spread yoga in the West. Today, yoga is practiced worldwide, integrated into medical science, fitness regimes, therapy, and education.

Utility of Yoga in Ancient and Vedic Ages:

In ancient times, yoga was a spiritual discipline practiced primarily by sages, monks, and householders for self-realization. It was used to:

- Maintain physical health and vitality (through Asanas and Pranayama)
- Control mind and emotions (through Dhyana and Mantra Sadhana)
- Achieve spiritual goals like Moksha (liberation) and Samadhi (absorption)

Gurukuls and ashrams were centers for yogic training, emphasizing character building, ethical living, and spiritual elevation.

Utility of Yoga in the Modern Era
In the present age, yoga has become a universal tool for health and wellness. Its utility now includes:

- Preventive and therapeutic health care: Used in managing diseases like hypertension,diabetes, obesity, and depression.
- Stress management: Yoga is widely used to reduce anxiety, burnout, and mental fatigue, especially among professionals and students.
- Education system: Included in school curricula for overall personality development and concentration.

- Workplace wellness: Many corporates include yoga sessions to improve employee health and produc-tivity.

Recognition of Yoga at the Global and National Level

International Yoga Day On 11th December 2014, the United Nations proclaimed 21st June as International Day of Yoga, following the proposal by Indian Prime Minister Shri Narendra Modi. The day is now celebrated across the globe, highlighting yoga's global acceptance as a tool for peace and health.

AYUSH Ministry (Government of India)

The Ministry of AYUSH promotes Yoga along with Ayurveda, Unani, Siddha, andHomeopathy. It regulates yoga education, research, and therapy through instituti-ons like:

- Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY)
- Central Council for Research in Yoga and Naturopathy (CCRYN)

Recognion by Sports and Olympic Bodies

- The Ministry of Youth Affairs and Sports has officially recognized yoga as a sports discipline.
- Institutions like the Sports Authority of India (SAI) promote yoga as a tool forenhancing performance and recovery.
- Yoga is included in events like Khelo India and efforts are underway for its inclusion in Olympic disciplines.

Benefits of Yoga for Holistic Development

1. Physical Health:

- Improves flexibility, strength, posture
- Enhances immune function and metabolism
- Aids in the prevention and management of chronic diseases

2. Mental Health:

- Reduces stress, anxiety, and depression
- Improves concentration, memory & emotional balance
- Promotes sound sleep and mental clarity

3. Social Health:

- Enhances interpersonal relationships
- Promotes compassion, tolerance, and social harmony

4. Spiritual Health:

- Connects with inner self and universal consciousness
- Encourages ethical living and self-awareness
- Facilitates personal transformation and inner peace

Courses and Career in Yoga

Today, various academic and professional courses in Yoga are available:

- Certificate, Diploma, and Degree Courses
- Postgraduate and Doctoral Studies (M.Sc., M.A., Ph.D. in Yoga)
- Career Opportunities:
  a) Yoga Instructor / Therapist, b) Researcher / Academician, c) Wellness Consultant, d) Holistic Health Coach
- Jobs in Schools, Universities, Health Clubs, AYUSH hospitals, and International Organizations

Yoga courses offered across India by leading Government and AYUSH affiliated institutions, their entry criteria, and official addresses (where available):

Courses	Institution	Course offered	Eligibility	Address
Certificate (1–6 months)	Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY)	Foundation Course, Protocol Instructor, Yoga for Wellness Instructor	10th–12th pass	68-A, Lodi Road, New Delhi – 110003
	National Skill Development Training Centre (NSDTC, Delhi)	Yoga Therapy	5th class pass; register online; batch-based intak	Kotla Village, Mayur Vihar Phase I, Delhi– 110091
Diploma (1–2 years)	MDNIY	Diploma in Yoga Science for Graduates (D.Y.Sc.)	Bachelor's with ≥50% marks	Same as above
	NSDTC	Diploma in Yoga	8th pass; register via NSDTC	
	Numerous State Universities	Diploma in Yoga / Yogic Science / Stress Mgmt	10+2/Bachelor's	BHU (Varanasi), Annamalai (Chennai), HNBGU (Garhwal)
Undergraduate (B.A./B.Sc./BNYS)	Kaivalyadhama (Pune)	B.A. Yogashastra – 3 yrs	10+2	Lonavla, Pune
	Shri Krishna AYUSH Univ. (Haryana)	B.Y.M.S. (Yoga Medicine & Surgery)	10+2 with science	Sector 8, Kurukshetra, Haryana
	SVYASA (Bengaluru)	B.Sc. Yoga & Vedic Therapy	10+2 with science	Prashanti Kutiram, Jigani, Anekal, Bengaluru
	Govt. Yoga & Naturopathy College (Maharashtra)	BNYS – 5½ yrs	NEET-Ayush	Uttur, Ajara, Kolhapur, Maharashtra
Postgraduate (M.A./M.Sc./PG-d	Kaivalyadhama	M.A. Yogashastra	B.A. Yogashastra	
Postgraduate (M.A./M.Sc./PG-d	SVYASA	M.Sc. Yoga Therapy	B.Sc. Yoga	
	Universities (e.g., BHU, HNBGU, Barkatullah U., Utkal U.)	M.A./M.Sc. Yoga	Graduation	
	GGSIPU via AYUSH Medical College	PG Diploma in Naturopathy & Yoga Science	Graduation	
Research / Ph.D.	Kaivalyadhama, SVYASA, University AYUSH dept.	Ph.D. in Yogashastra	Master's	

Government-run Yoga courses in Jharkhand

In School Of Yoga, RU

- Established **19 December 2017** under vocational scheme
- Runs a comprehensive spectrum: **Undergrad (B.Sc.) → Diploma → Postgraduate(M.Sc.)**. Yet to be launched **Certificate** →with **Add-on certificates** in Yoga & Lifestyle, Acupressure and Naturopathy.
- Admission process: watch for notifications on the **Ranchi University vocational department website**, generally based on academic merit and CBCS norms

Undergraduate (B.Sc. – 3 yrs)	School of Yoga, PG department, RU	B.Sc. in Yogic Science	10+2 from any stream[Science, Arts & Commerce]	Facilitation Centre, Basic & Applied Science Campus, Morabadi, Ranchi – 834008
PG diploma(1Yr)	Same	PG diploma in Yogic Science	Graduation from any stream	Same
M.Sc(2Yrs)	Same	M.Sc in Yogic Science	Graduation from any stream	Same

Conclusion :

Yoga, the ancient Indian gift to humanity, has stood the test of time from Vedic seers to modern scientists. As a science of holistic health, it continues to serve as a bridge between ancient wisdom and contemporary needs. Its growing global acceptance, integration into healthcare and education, and recognition at the international level affirm its timeless value. In an age marked by stress, disconnection, and disease, yoga shines as a beacon of hope for individual well-being and collective human evolution.

C.I.P. Ranchi

CAMBRIDGE INSTITUTE OF POLYTECHNIC

Baheya, Angara, Ranchi- 835103 (Jharkhand)
Approved By AICTE, New Delhi, Affiliated to SBTE, Ranchi & Government of Jharkhand
Contact: 0651-6560333
E-mail: cipranchi16@gmail.com, Website: www.cipranchi.ac.in

FACILITIES

- Library
- Common Room (Separate for boys & girls)
- Transport
- News Paper & Magazines
- Medical
- Game & Sports
- Cafeteria
- Wi-Fi
- Bank ATM
- Electricity
- Internet
- Pure and safe drinking Water Supply
- Hostel
- Security

Wi-fi Enabled Campus

Member of ORACLE ACADEMY

Our Vision - Quality Education

Join Cambridge Institute of Polytechnic for a Bright Future and Better Career

For Admission Enquiry Contact :

9931444441, 7282881155, 9279439460

Choice between "Get up" and "Give up"

> "Swami Vivekananda used to say that a healthy mind resides only in a healthy body."

It means if our body is not healthy, we can never become an intelligent and successful person and we cannot take correct and rational decisions.

An ill person always thinks about his illness and its medicines. His mind never allows him to concentrate on his work, business, studies or any social event. Few months back, I had seen a Hindi Movie, Piku, where the lead character would always think, talk and concentrate on constipation, which was the main reason of his poor health. This film was very much liked by the common men because it was a depiction of reality that a person, suffering with any illness or health related problem, would always think about his problems and its probable remedies or treatment and he would never think about anything else.

The message is clear that if a person wants to do wonders in the professional life, he must have a fit body so that his mind could concentrate on his professional and social development in place of illness.

But a healthy body does not come easily. It requires commitment from human being. A committed person rises early in the morning, goes for a walk or goes to gym, eat healthy food and takes at least 7 hours sleep daily. Simultaneously he avoids junk food, smoking, frequent drinking and other bad habits.

It means, if we have to be a healthy person, we have to be a man of commitment. As W.H. Murray famously said: "The moment one definitely commits oneself and then providence moves too. All sorts of things occur to help one that would never otherwise have occurred."

But it is also a fact that most of us are not committed towards good health. We usually take an oath to be healthy every year but never work hard to convert this oath into reality. Most of us set the alarm in our clocks for rising early in the morning but most of us still do not rise. Alarm bell rings but we put it off with a promise that we will rise and go for a walk tomorrow and again we go for sleep. But that "tomorrow" never comes - tomorrow never dies. We set alarm bells only for ringing but not for rising. Only 1% gives respect to the oath and rises early in the morning after being alert by alarm clock and goes for a walk or gym and remains healthy.

Basically, it is a choice of "Get up" or "Give up". If we chose "get up" we remain healthy, wealthy and wise. But if we choose "give up" we give up everything – health, wealth and success.

This choice of "Get Up" is more important for professional like CMAs or the students of Cost Accountancy.

In this regard, we must keep following points in our mind –

1. **If we move toward something, it will move towards us –**

   Paulo Kahlo has written in his book "Alchemist" – "If we want to succeed, the whole world conspires with us to make us successful." We should learn lesson from it and should not worry too much about unnecessary things. We should start increasing physical activities like exercise or jogging in place of unnecessary mental absurd activities. We must just start walking in the direction of the goal or dream of becoming fit. We should start doing whatever we can, however small, and then do the next thing. Success will be ours.

2. **Tension lene ka nahin, dene ka (Do not take tension, rather give it) –**

   It is a Hindi film dialogue and partially correct. Stress is the cause of a staggering number of health problems and worsens medical condition. Stress causes us to age faster, throws our hormones out of whack, and makes us feel anxious & fearful. Small activities like yoga, breathing breaks, mini-meditations throughout the day, exercise, play, prayer, positive self-talk etc. keep us fit.

3. **Sleep at least 7 hours in a day -**

   If we don't get enough sleep, everything else will suffer. Sleep deprivation (which most of us suffer from) puts us in a pre-diabetic state, messes with our metabolism, makes us dramatically more likely to be overweight, decreases our productivity, hampers our immune system, and makes us tired, moody, anxious and likely to be depressed.

4. **Be with ourselves, unapologetically -**

   Many of us grew up focusing on what other people or society thought we should do. So many people get start feeling hopeless due to what other people think. Let us take our own decisions and decide our lives. Take care of ourselves in place of others.

5. **Be childlike -**

   It is wrong to grow up and be serious. Let us cultivate the very best of the child within us. Believe me; it will keep us young and healthy. Let us practice childlike awe for majestic things, childlike silliness, childlike faith, childlike hope, childlike play and creativity. When it comes to certain things, children do them way better than we do. Let us recapture it - it's still inside we people.

6. **Give the heart priority over head-**

   It is important to have a realistic plan, and a back-up plan, but we should start the plan in our heart first. We should ask ourselves what do we love and then use our head to figure out how we might get there. Our head loves to make silly pronouncements like "we are too old", "that will never work", "who do you think you are" and "what will people think". But our heart's much kinder and more optimistic and keeps us far from unnecessary and unhealthy questions and problems.

7. **When our body says stop, we should listen to it -**

   Learning to listen to our body is a major ingredient for lasting good health in life. Drink water when feel thirsty. Eat good food when hungry and stop when body says it's full. Sleep when body wants to. Stop pushing when feel tired. Take a vacation when every cell in the body and mind is screaming for it. Take a break when shoulders creep up around the ears or neck starts aching. Take really good care of the body, and listen to it. In turn, it will take really good care of us.

   Let us make ourselves healthy professionals.

धरम दयाल इंटर कॉलेज

झारखण्ड अधिविध परिषद् (JAC) द्वारा अनुमति प्राप्त

ADMISSION OPEN

ग्राम – सारिदकेल, पोस्ट – अंगराबारी,
थाना – तोरपा, जिला – खूंटी, झारखण्ड – 835210

CONTACT NO. : 6287299881, 6287299882

BENEFITS OF SOLAR SYSTEM

Solar energy is clean & green energy | Not dependent on other sources of Energy
Non-maintenance | Safer than Other | Renewable Energy | Electricity Bill Reduction
Maximum Usage | Technology Development

MAHADEV ENTERPRISES

Address: Chitragupt Colony, Indrapuri, Road No. 01
Ratu Road, Ranchi - 834005